BAMBUSETUM

- Bamboo is a type of flowering plant belonging to the family Poaceae (grasses). There are almost 1500 species of bamboo which are found in Asia, Australia, North and South America and Sub-Saharan Africa. Bamboo can grow on different altitudes and under various climate conditions.
- Bamboo is the fastest growing plant on the planet. Some species of Bamboo can grow 3 feet in height in 24 hours under appropriate climate conditions. Largest species of bamboo can reach 1300 feet in height.
- Bamboo releases more oxygen into the atmosphere and absorbs more carbon dioxide compared to other plants. Because of these features, bamboo greatly decreases amount of greenhouse gases in the atmosphere.
- Bamboo has stronger structure than steel and it is widely used in the construction industry. Other than that, bamboo is used in the manufacture of floors, furniture, house walls, skateboards, bicycle frames and helmets.
- Bamboo is the only plant which survived in the radiation of the atomic bombings in Hiroshima, Japan in 1945. The incinerating heat destroyed all trees and other plant life, except for bamboo species. These bamboo are preserved in a museum in Hiroshima.
- Bamboo is revered in Hinduism because it is associated with Lord Krishna. The lord krishna plays flute which is made of bamboo sticks. Thus, Lord Krishna is commonly known by the name of Venugopal, Bansilal, Murali and Muralidhar, which reflect his association with Bansuri.
- This experimental project was initiated in 2004, for conservation/ demonstration of Bamboo species. The project has been established on an area of 0.3 Hectare, in Forest Research Range Haldwani. At present bambusetum houses 21 species of bamboo out of which the main species are *Bambusa chungii, Thyrsostachys oliveri Dendrocalamus hamiltonii, Dendrocalamus strictus, Dendrocalamus asper* and *Phyllostachys nigra*.

बैम्बूसेटम

- बाँस एक प्रकार का फूलदार पौधा होता है जो कि पोएसी (घास) के परिवार का होता है। बाँस की लगभग १५०० प्रजातियाँ हैं जो एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका और उप-सहारा अफ्रीका में पाई जाती हैं। बांस विभिन्न ऊंचाई पर और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में विकसित हो सकता है।
- बांस इस ग्रह पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला पौधा है। बांस की कुछ प्रजातियां उपयुक्त जलवायु परिस्थितियों में २४ घंटे में ३ फीट ऊंचाई तक बढ़ सकता है। बांस की सबसे बड़ी प्रजाति १३०० फीट की ऊंचाई तक बढ़ती है।
- बांस वातावरण में अधिक ऑक्सीजन छोड़ता है और अन्य पौधों की तुलना में हानिकारक कार्बन डाइऑक्साइड गैस को अधिक अवशोषित करता है। इन विशेषताओं के कारण बांस वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को बहुत कम कर देता है।
- बांस में स्टील की तुलना में अधिक मजबूत संरचना होती है और निर्माण उद्योग में बांस का उपयोग व्यापक रूप से किया जाता है। इसके अलावा बांस का उपयोग फर्श फर्नीचर घर की दीवारों स्केटबोर्ड साइकिल फ्रेम और हेलमेट के निर्माण में किया जाता है।
- १९४५ में जापान के हिरोशिमा में परमाणु बमों के विकिरण में बाँस एकमात्र पादप प्रजाति थी जो जीवित रही। भयंकर उष्मीय ताप ने बाँस की प्रजातियों को छोड़कर सभी पेड़ों और अन्य पौधों को नष्ट कर दिया था। ये बांस हिरोशिमा के एक संग्रहालय में संरक्षित किये गए हैं।
- बांस को हिंदू धर्म में पूज्यनीय माना जाता है क्योंकि यह भगवान श्री कृष्ण के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। भगवान श्री कृष्ण बांसुरी बजाते थे जो बांस की छड़ियों से बनी होती है। इस कारण भगवान श्री कृष्ण को आमतौर पर वेणुगोपाल बंसीलाल मुरली और मुरलीधर के नाम से जाना जाता है जो बांसुरी के साथ उनके जुड़ाव को दर्शाते हैं।
- बैम्बूसेटम एक प्रायोगिक परियोजना है जिसे बांस प्रजातियों के संरक्षण के लिए जुलाई २०११ में प्रारम्भ किया गया था। इस परियोजना को हल्द्वानी स्थित वन अनुसंधान रेंज के ०.१५ हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रारम्भ किया गया है। वर्तमान में बैम्बूसेटम में बांस की 21 प्रजातियां हैं जिनमें सफ़ेद बांस, ओलिवेरी, नरबांस, महाकाय बांस और काला बांस मुख्य प्रजातियां हैं।